vinetur

पेय पदार्थों की बिक्री में छह में से पांच हफ्तों में गिरावट के बाद ब्रिटेन के कंपनी-प्रबंधित स्थल त्योहारी सीजन में दाखिल

NIQ के मुताबिक, कमजोर शनिवार, स्पिरिट्स की नरम मांग और उपभोक्ताओं की सतर्कता के बीच संचालकों की उम्मीद क्रिसमस समारोहों पर टिकी है

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



NIQ के Daily Drinks Tracker के नए आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिटेन का आतिथ्य क्षेत्र दबाव के बीच छुट्टियों के कारोबारी दौर में प्रवेश कर रहा है। CGA द्वारा संचालित इस ट्रैकर के आंकड़ों की रिपोर्ट The Brewers Journal ने 23 नवंबर को प्रकाशित की। कंपनी-प्रबंधित स्थलों पर पेय पदार्थों की बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज की गई है।

ट्रैकर के अनुसार, 7 नवंबर, शनिवार को समाप्त सप्ताह में कंपनी-प्रबंधित स्थलों की औसत बिक्री 2025 की इसी अवधि

के स्तर से 6.4% कम थी। अगले सप्ताह कारोबार में कुछ सुधार हुआ, लेकिन 14 नवंबर, शनिवार को समाप्त सप्ताह की बिक्री एक साल पहले की तुलना में फिर भी 3.1% नीचे रही।

इन आंकड़ों का अर्थ है कि अक्टूबर की शुरुआत से पिछले छह में से पांच हफ्तों में ऑन-प्रिमाइज़ पेय पदार्थों की बिक्री की साल-दर-साल वृद्धि नकारात्मक रही। NIQ के आंकड़ों में यह भी दिखा कि नवंबर के शुरुआती 10 दिनों में हर दिन राजस्व पिछले साल के स्तर से कम रहा।

नवीनतम आंकड़े उस अवधि की कमजोर शुरुआत की ओर इशारा करते हैं, जो आम तौर पर पब, बार और आतिथ्य क्षेत्र के अन्य संचालकों के लिए बेहद अहम होती है। अब इस क्षेत्र के कारोबार बेहतर नतीजों के लिए नवंबर के आखिर और दिसंबर में क्रिसमस तथा नए साल के समारोहों से मिलने वाली तेजी पर निर्भर हैं।

NIQ की यूके और आयरलैंड की वाणिज्यिक प्रमुख Rachel Weller ने कहा कि आंकड़े त्योहारी सीजन से पहले ऑन-ट्रेड क्षेत्र को भरोसा करने की खास वजह नहीं देते। उन्होंने शनिवार के कमजोर कारोबार और स्पिरिट्स की नरम बिक्री को विशेष चिंता का विषय बताया। उन्होंने यह भी कहा कि कई उपभोक्ता खर्च, शराब के सेवन या दोनों में कटौती करते दिख रहे हैं।

NIQ ने कहा कि क्रिसमस से पहले उपभोक्ताओं की सतर्कता हाल के प्रदर्शन का एक प्रमुख पहलू रही। ट्रैकर ने देश के कुछ हिस्सों में ठंडे मौसम और इंग्लैंड की Premier League में अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए आए विराम को भी बिक्री पर असर डालने वाले कारकों के रूप में रेखांकित किया।

इसका असर पब और बार से आगे भी पड़ता है। क्रिसमस से पहले कारोबार की कमजोर रफ्तार बीयर, वाइन और स्पिरिट्स के उत्पादकों, वितरकों और स्थल संचालकों के पूर्वानुमानों को प्रभावित कर सकती है। मांग में उतार-चढ़ाव जारी रहने पर कंपनियां त्योहारी खरीद और भंडार से जुड़े फैसलों में अधिक सतर्कता बरत सकती हैं।

स्पिरिट्स में दबाव खास तौर पर स्पष्ट दिख रहा है। Weller ने हालिया आंकड़ों में इसे सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली श्रेणियों में से एक बताया। इस क्षेत्र में लंबे समय तक सुस्ती बनी रहती है तो आपूर्तिकर्ताओं के लिए यह चिंता का विषय होगा, क्योंकि त्योहारी सीजन में अक्सर प्रीमियम और समारोहों से जुड़ी खरीदारी बढ़ती है।

इसके साथ ही, NIQ ने कहा कि सामाजिक मेल-जोल के अवसरों में उपभोक्ताओं की दिलचस्पी अब भी इस क्षेत्र को कुछ सहारा देती है। Weller के मुताबिक, कंपनी के शोध में लगातार यह सामने आता है कि क्रिसमस और नए साल जैसे सामूहिक समारोहों के दौरान उपभोक्ता पब और बार को महत्व देते हैं। इससे सीजन आगे बढ़ने के साथ खर्च में सुधार की संभावना बनी हुई है, हालांकि नवीनतम आंकड़ों के आधार पर किसी भी सुधार को लेकर भरोसा करना अभी मुश्किल है।

फिलहाल, ट्रैकर का संकेत है कि संचालकों को उन परिवारों से अपनी मर्जी से किए जाने वाले खर्च का हिस्सा हासिल करने के लिए अधिक प्रयास करने पड़ सकते हैं, जो कीमतों को लेकर अब भी सतर्क हैं। Weller ने कहा कि अगर स्थल और आपूर्तिकर्ता चाहते हैं कि उपभोक्ता घर पर रहने के बजाय बाहर जाकर पेय लें, तो उन्हें स्पष्ट मूल्य, गुणवत्ता और बेहतर समग्र अनुभव देना होगा।

यह चुनौती कैलेंडर के एक संवेदनशील मोड़ पर सामने आई है। नवंबर और दिसंबर अक्सर यह तय करने में मदद करते हैं कि आतिथ्य समूह साल का अंत किस तरह करेंगे, और पेय पदार्थों की निराशाजनक बिक्री का असर कर्मचारियों की योजनाओं, प्रचार गतिविधियों और उत्पाद श्रेणियों के मिश्रण पर तेजी से पड़ सकता है। यदि सीजन में मांग और कमजोर होती है, तो ऑन-ट्रेड क्षेत्र में उत्पादों की जगह, बिक्री की मात्रा और दोबारा ऑर्डर के रुझानों को लेकर आपूर्तिकर्ताओं के सामने भी अधिक कठिन स्थिति हो सकती है।

NIQ के नतीजे अभी साल के बेहतर समापन की संभावना को खारिज नहीं करते, लेकिन वे संकेत देते हैं कि क्षेत्र त्योहारी दौर में बहुत कम रफ्तार के साथ प्रवेश कर रहा है। अक्टूबर की शुरुआत से छह में से पांच हफ्तों में गिरावट के बाद पब,

बार और पेय पदार्थों के आपूर्तिकर्ताओं को हालिया गिरावट पलटने के लिए त्योहारी मांग पर निर्भर रहना पड़ रहा है।